लिखे माँ चिट्ठियां तू सारे जग को भजन लिरिक्स

लिखे माँ चिट्ठियां तू सारे जग को,
पर मेरी ही मैया क्यों बारी ना आई,
नौराते लौट के लो फिर आ गए,
पर कोई भी खबर तुम्हारी ना आई,
लिखे माँ चिट्ठियां तू सारे जग को।bd।

तर्ज – लिखे जो खत तुझे।

पहाड़ों में तू रहती है,
गुफाओं में तेरा डेरा,
मैं निर्धन हूँ तू दाती है,
ध्यान करले तू माँ मेरा,
भटक ना जाऊँ राहों में,
करो माँ दूर अंधेरा,
लिखे माँ चिट्ठियां तू सारे जग को।bd।

तू ही कमला तू ही काली,
तू ही अंबे माँ वरदानी,
तू ही माँ शारदे दुर्गा,
तू ही माँ शिव की पटरानी,
तेरे माँ रूप लाखों हैं,
करें तू सबकी रखवाली
लिखे माँ चिट्ठियां तू सारे जग को।bd।

मेरी आंखों के दो आंसू,
नहीं तुझको नजर आए,
खुली है इस कदर आंखें,
ना जाने कब माँ आ जाए,
करो ना माँ और देरी,
कहीं ये जान निकल जाए ,
लिखे माँ चिट्ठियां तू सारे जग को।bd।

सहारे आपके मैया,
फलक के चांद तारे है,
लगाया पार माँ सबको,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

खड़े हम इस किनारे हैं,
तेरे बिन 'पाल' ने मैया,
ये दिन रो रो गुजारे है,
लिखे माँ चिट्ठियां तू सारे जग को।bd।

लिखे माँ चिट्ठियां तू सारे जग को,
पर मेरी ही मैया क्यों बारी ना आई,
नौराते लौट के लो फिर आ गए,
पर कोई भी खबर तुम्हारी ना आई,
लिखे माँ चिट्ठियां तू सारे जग को।bd।

– गायक एवं प्रेषक –
विशाल मित्तल जी।
संपर्क – 98125-54155

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com